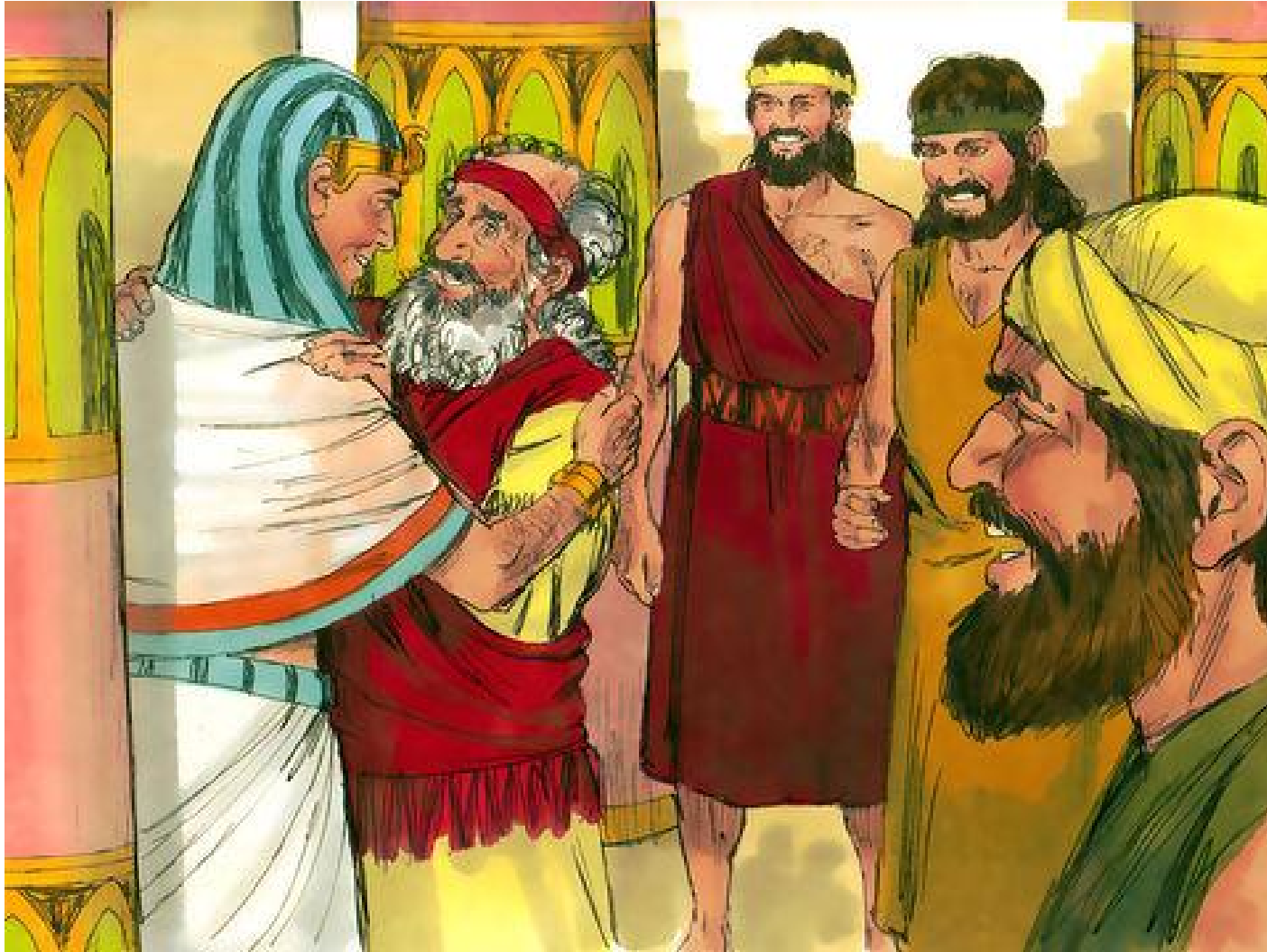


युसूफ आपड़े बाइउं माफ कौरै



Bangani

युसूफ आपड़े बाइउं माफ कौरै

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india





<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work, but you may distribute the resulting work only under the same or similar license to this one. You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

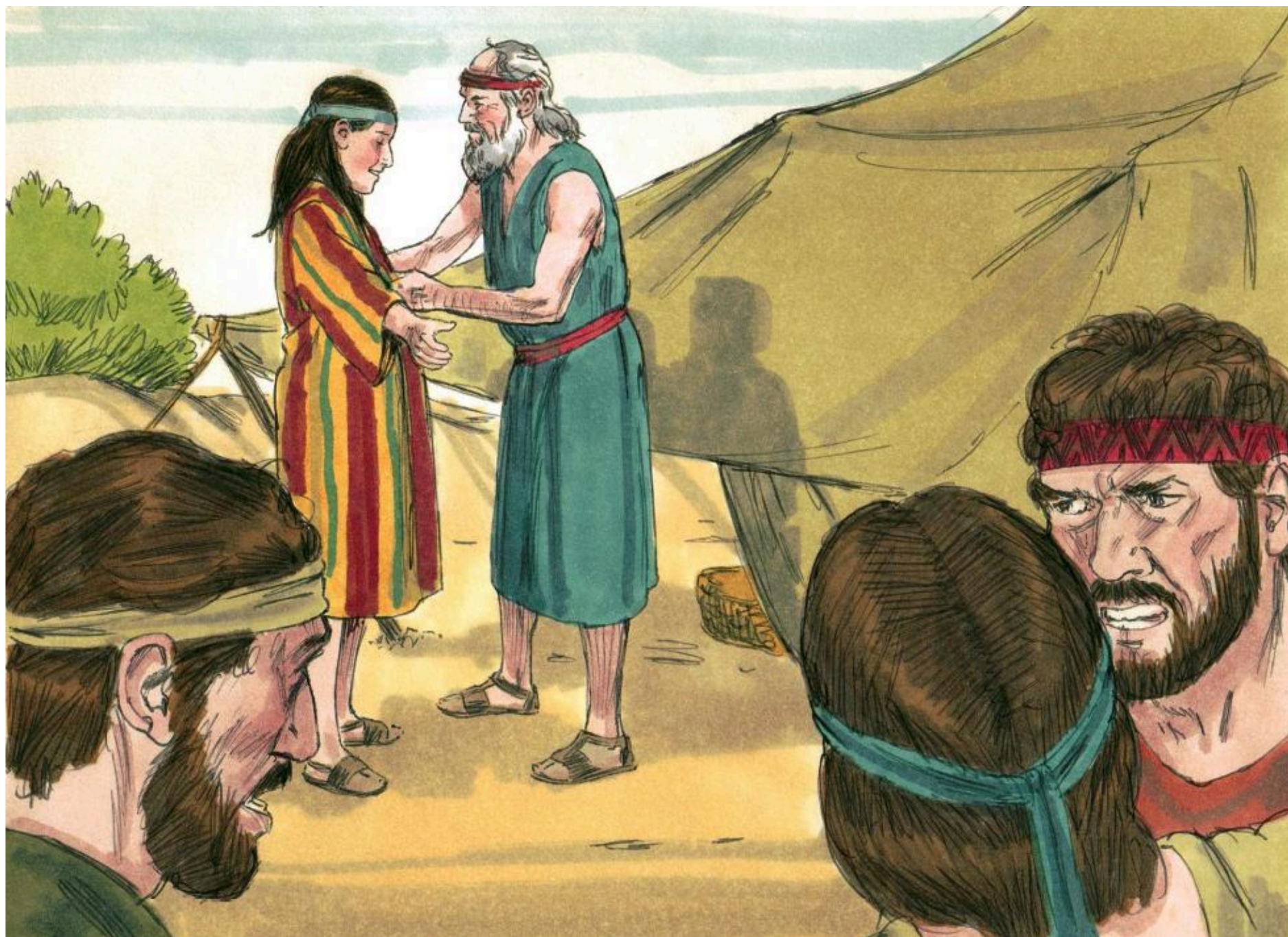
परकाशण:-

NLCI

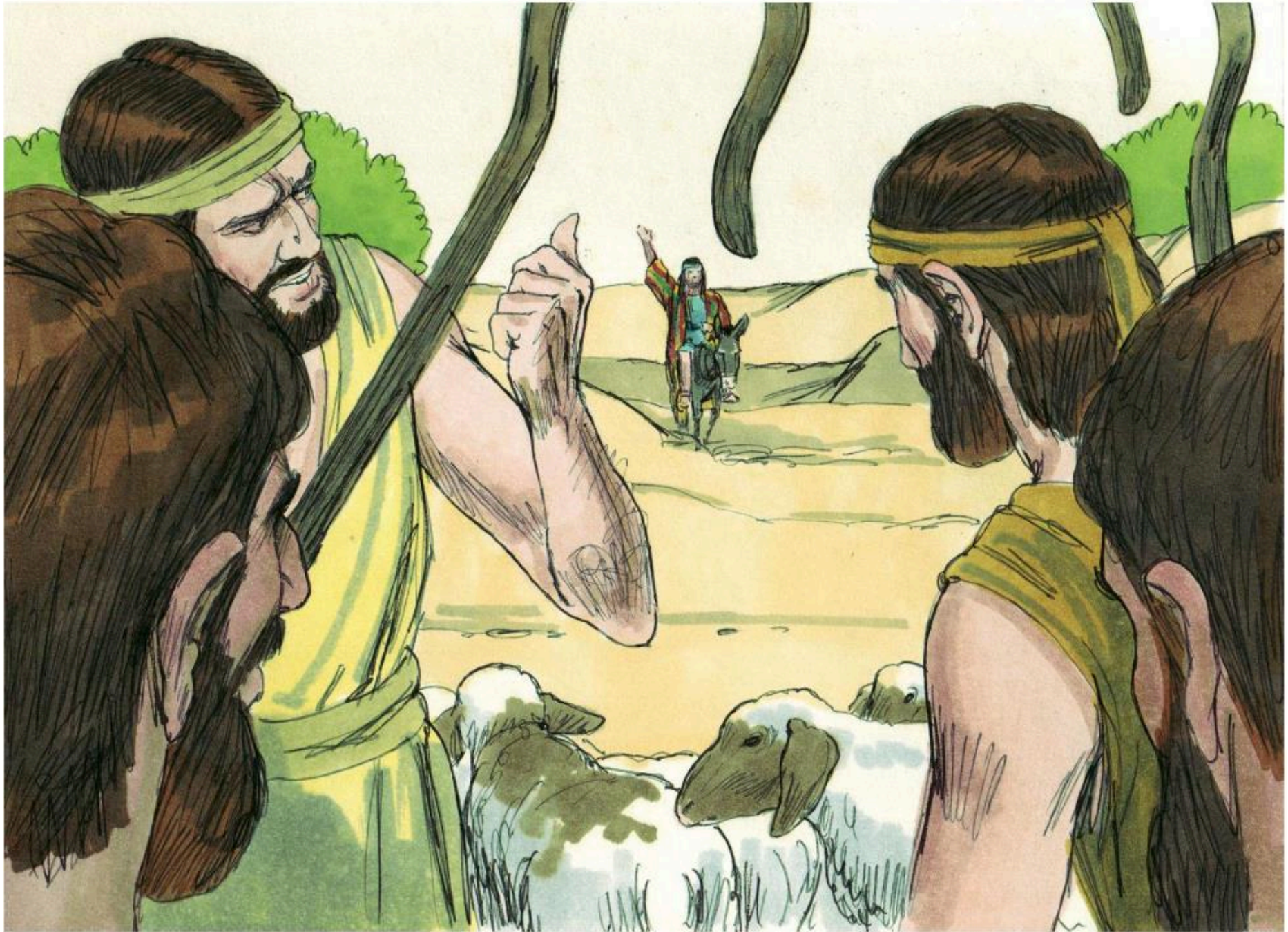
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यूसूफ अपने भाईयों को माफ करता है, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



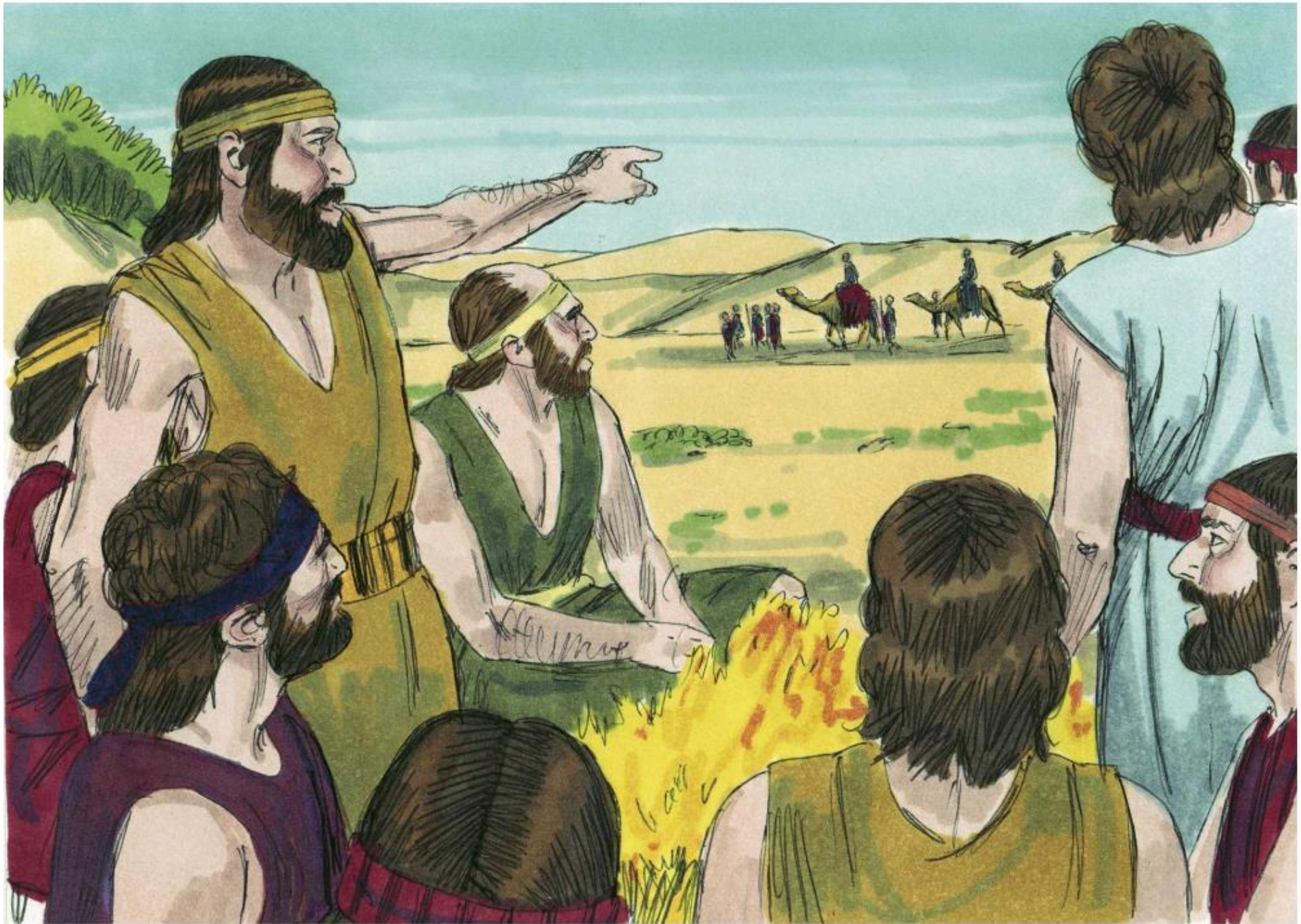
युसूफ एक सौत्रा साल रौ माऊं थौ। सै गियारा
बाइ थै। पर युसूफ रै बाइ तेसकौइ ज़ौळैण थै।
केलाकि युसूफ रौ पापा युसूफ कौइ बौरी प्यार
कौरै थौ। युसूफ सुइणै रौ मतलब बोलै थौ।



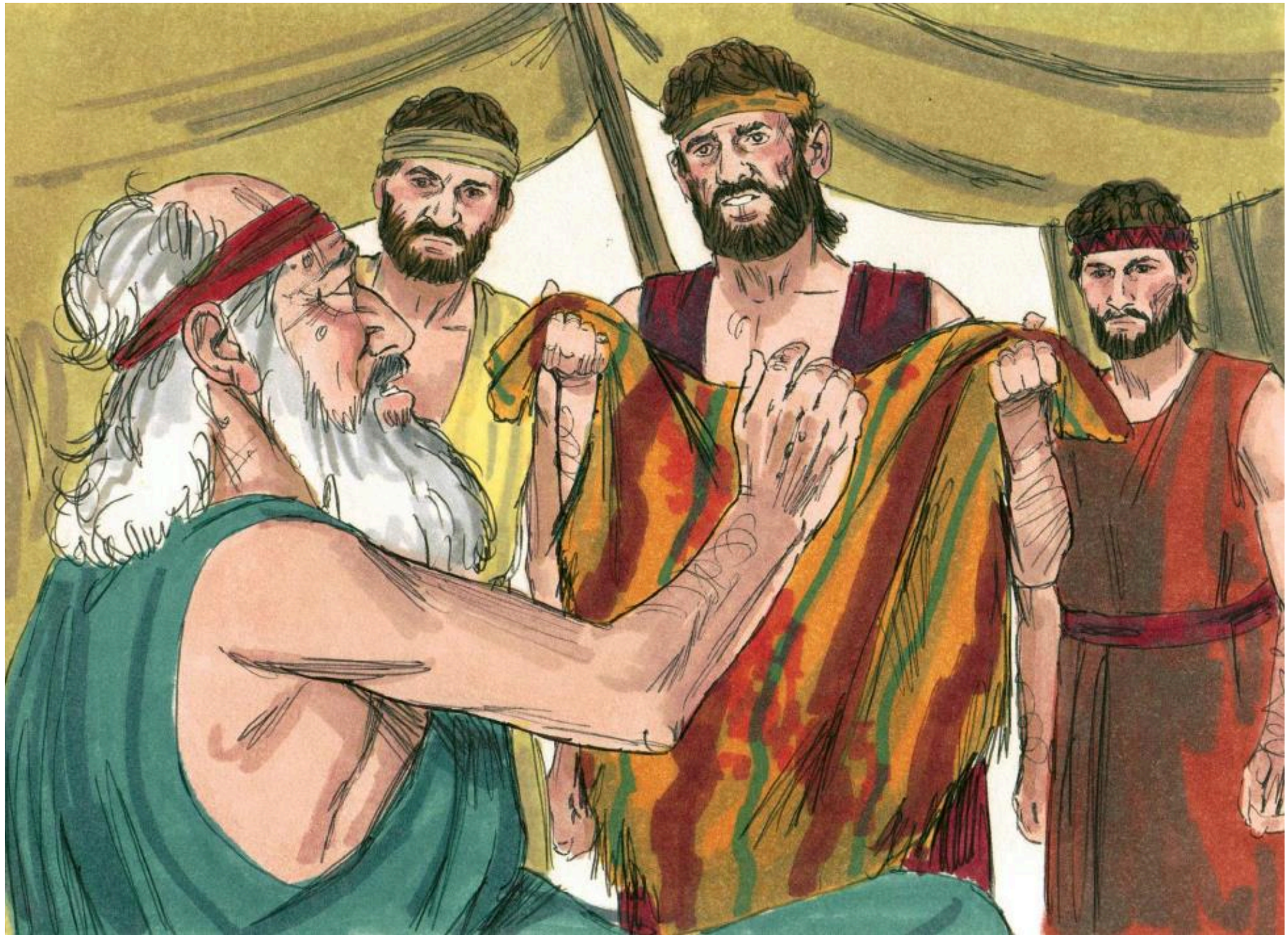
एक दूस युसूफेइ सुइणौ देखौ, तेसरै बाइ तेसकै
डाऽल रौयै थै कौरदै लागी। तेत्रा कौइ तेसरै
बाइ तेसकौइ ओर बि ज़ादा ज़ौळदै लागै। थोड़ै
दूस बासियै युसूफ रै दश बाइ दुरै केज़ी ज़ागा
दि बेड़ बाकरिऊँ रौयै थै चौरान्दै लागी।
सेज़ौ बौक्ते दि युसूफ हाल च़ाल पुछ़दै तिउं
काइ डैऔ



तैबै तेसरै बाइउं युसूफ दूरै कौइ आन्दु बैरै
देखौ, तै तेस ज़ांगणै रौ बिचार कियौ, पर तेसरै
बौड़ै बाइयेइ बोलौ, कि आमै एस ज़ान कौइ ना
ज़ांगदै पर तेस गाड्डु पोरु देइ पाइ औज़ि ज़ौ सेऊ
तिउं काइ पौइंचौ तै तिउं तेसरौ चादरु गाड़ियौ
सेऊ गाड्डु दि दैऔ पाइ



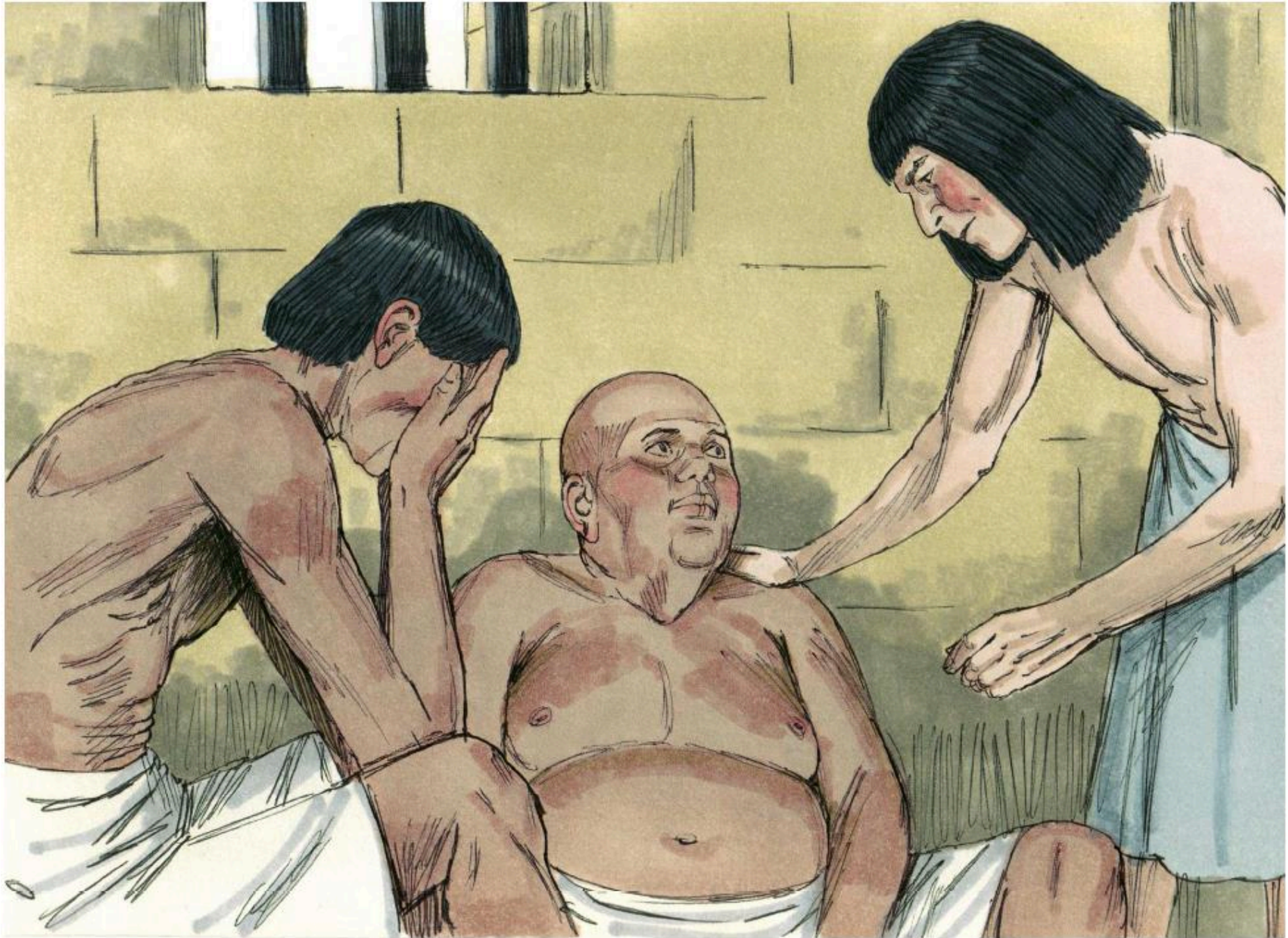
तैबै तेसरै बाइउं कुछ व्यापारी डेन्दु बैरै देखै,
औज़ि तिउं युसूफ गाड्डै कौइ गाड़ियौ व्यापारिउं
कै बीश चाँदी रै सिक्कौउं खि बेची देणौ, तैबै
तेसरै बाइउं एक बाकरौ ज़ांगियौ तेसरौ चादरु
बाकरै रै लोए माइं डुबाइयौ आपड़ै पापा
काइ गिणौ



तेसरै पापाइ तेसरौ चादरु देखियौ पौरियाणौ ।
तिणी सौमजौ कि युसूफ जानबरेइ खाइगो । एज़ी
बौजै कौइ सेऊ आपड़ौ बेटा खि दुखी उवौ, पर
तेसरौ बेटा ना नौथि थौ मौरैन्दौ, व्यापारिउं
सेऊ मिस्र देश दि पोतीपर कै बेची देणौ



युसूफ पोतीपर रै गौरे दि बौड़ी मैनत कौइ काम
कौरै थौ। औज़ि परमेश्वर युसूफ रै साथै रौऐ थौ।
पोतीपरेइ युसूफ आपड़ै गौरै रौ औज़ि आपड़ि
दन दौलत रौ अदिकारी चाणौ एक दूस पोतीपर
रि छेउड़िएइ युसूफ दि जुठौ बाऽनौ लाइयौ ज़ेल
दि पौआऔ।



एक दूसरा राजा आपड़े दुइ सेवकं खि रोश
लागौ। औज़ि राजा सै युसूफ रै साथै ज़ेल दि
पाइ देणै, तिउं सेवकं एक रात सुइणौ देखौ,
औज़ि सै आपड़े सुइणै रौ मतलब ना सौमज़ी
सौकै। पर युसूफेइ तिउंरौ सुइणै रौ मतलब तिउं
आरि बोलौ।



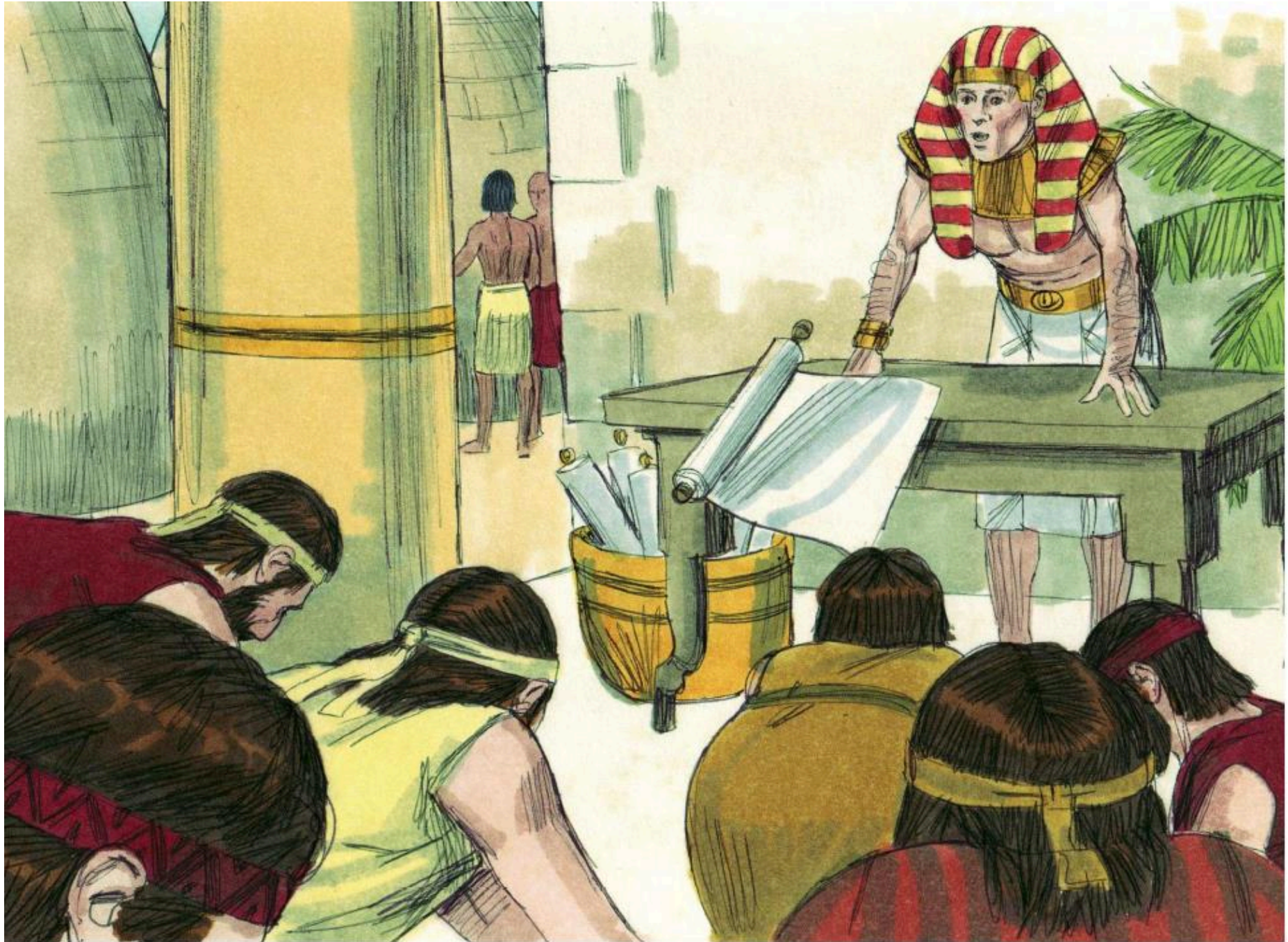
जेशौ युसूफेइ तिउं आरि बोलौ, तिउं सेवकुं रै
साथै तेशौइ उवौ। तै एक सेवक राज़ा काइ
डैऔ, औज़ि एक पोरु मौरौ। कुछ दूस बासियै
राज़ाइ बि एक सुइणौ देखौ, औज़ि सेउ तेस
सुइणै रौ मतलब ना सौमज़ी सौकौ। औज़ि ना
कोइ तेसरौ सुइणै रौ मतलब बोली सौकै, तैबै
तेस सेवक कै युसूफ रि याद आइ।



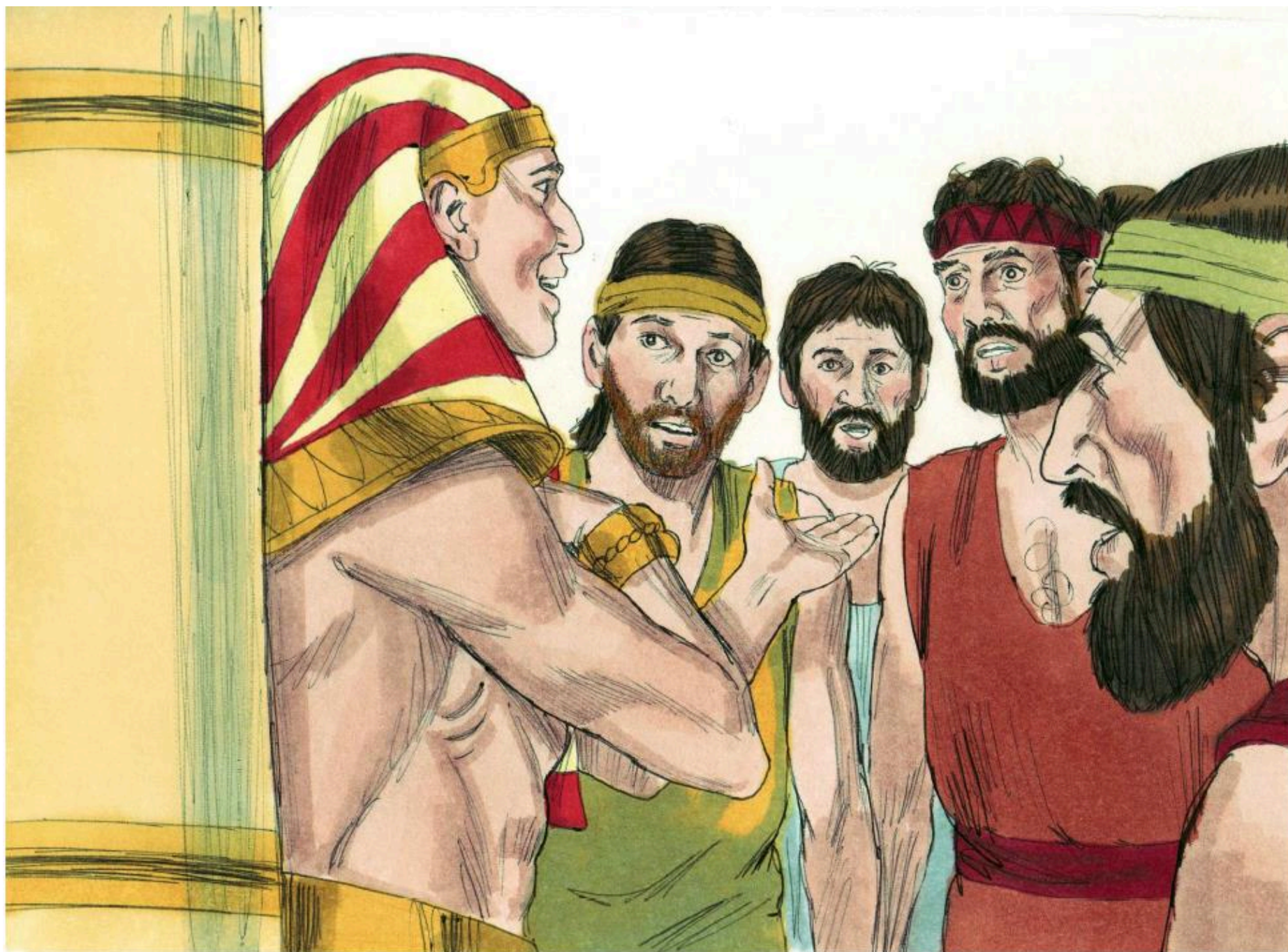
तैबै राज़ाई युसूफ ज़ेल कौइ औटाऔ, राज़ाई
आपड़ौ सुइणौ युसूफ आरि बोलौ, तैबै युसूफेइ
राज़ा रौ सुइणै रौ मतलब बोलौ। औज़ि बोलौ
कि एस देश दि सात साल तै बौड़िया फसल
औयै ली, औज़ि सात साल औकाल पौड़ै लौ।
राज़ाई बोलौ, परमेश्वरेइ ताउँकै ज्ञान दैऔन्दौ।
ताउँ ज़ेती सौमज़दार कोइ ना नौथि।



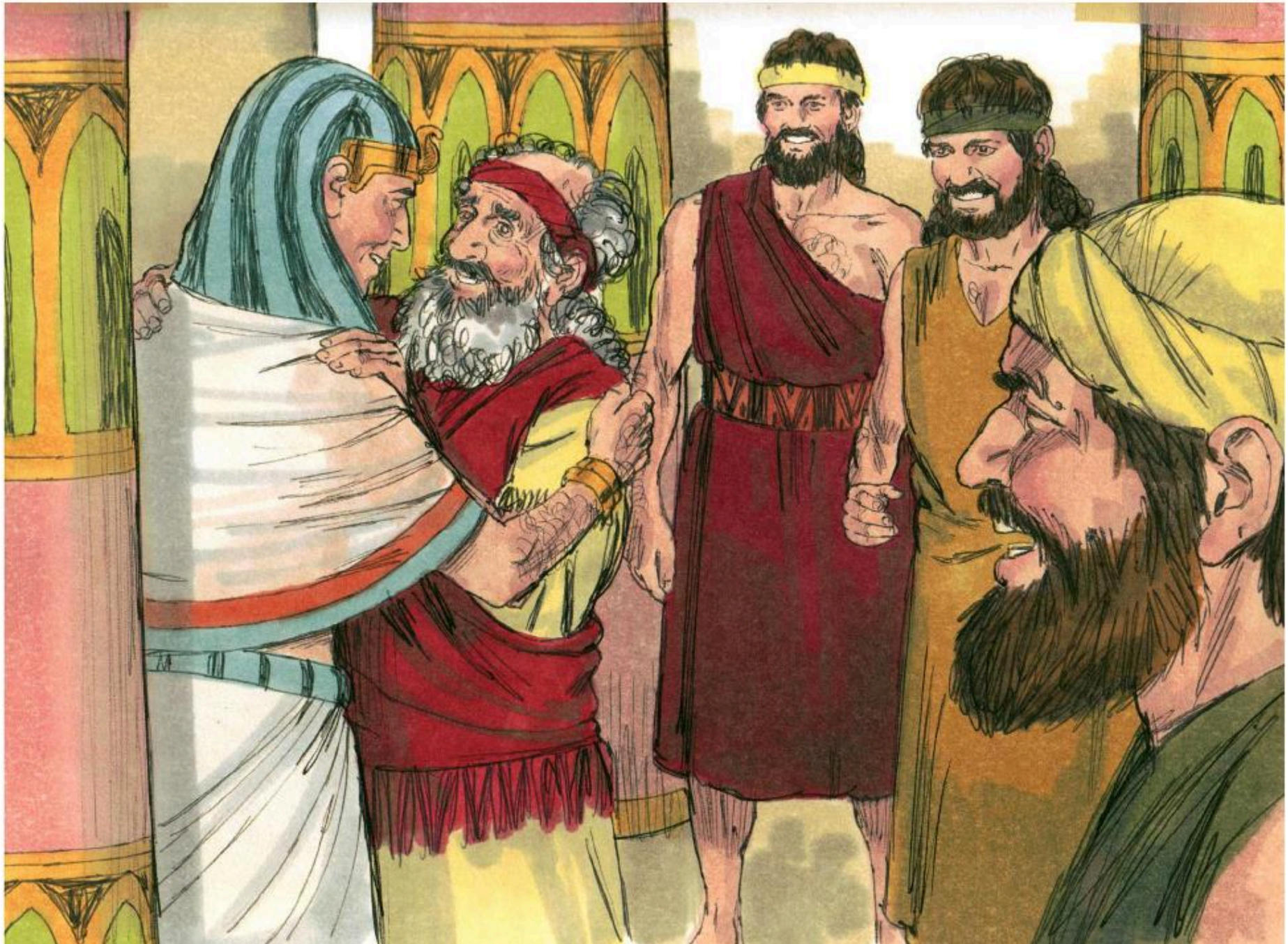
तैबै राज़ाड सेउ आपडै देश रौ परदान मौंत्री
चाणौ, औज़ि तेतबासियै युसूफेइ ज़ेज़ी सै सात
बौड़िया साल थी, तेत्रा बौरी नाज़ कौट्टौ कियौ।
ताकि औकाल रै सात साल दि देश रै लोग बुखै
ना रौए लै, सात बौड़िया साल खतम औणै
बासियै पूरै देश दि नाज़ रि कौमी ऊन्दी लागी।
तैबै युसूफ मिस्र देश दि नाज़ बेच़दै लागौ।



याकूबेइ आपड़े बेटा मिस्र देश दि नाज़ आण्डै
छाड़ै। तैबै तेसरै बाइ मिस्र देश दि नाज़ निंदै
आयै। सेजै बौक्ते दि युसूफ सेजौ देश रौ परदान
मौन्त्री थौ। सेज़ी बौजै कौइ युसूफ रै बाइउं तेसकै
डाऽल कौरी। युसूफेइ आपड़े बाइ पौरियाणै।
पर तिउंके युसूफ ना पौरियाणुवौ।



तैबै युसूफेइ आपडै बाइउं आरि बोलौ, “आऊं
युसूफ, जूण तुमु पोरु बेचौ।” एशौ शुणियो सै
डौरी मौरै। पर युसूफेइ तिउं आरि बोलौ, तुमै
डौरै नौथि, एऊ सारै परमेश्वर रि मौर्जी कौइ
उवौ। ऐबै तुमै पापा काइ डैऔ, तेसारी एजी
बूशै बोली दैऔ, औज़ि तेस मुकाइ आणौ।



जौ याकूब बूड़ौ उइगो थौ, तै सेउ आपड़ौ पूरौ
पौरिबार रै साथै मिस्र देश खि डैऔ औज़ि सै
सारै जौणै युसूफ रै साथै मिस्र देश दि रौन्दै
लागै, याकूबेइ मौरणै कौइ औगौणिकै आपड़ै
सारै बेटाउँ कै आशिर्वाद देणौ

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.